# शिक्षा निदेशालय, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली

## अभ्यास प्रश्न-पत्र

## सत्र: 2024-25

## कक्षा: दसवीं

## विषय: हिंदी (कोड-002)

**अवधि: 3 घंटे** **अधिकतम अंक: 80 अंक**

**सामान्य निर्देश:**

निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उनका सख्ती से अनुपालन कीजिए :

- इस प्रश्नपत्र में कुल 15 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिवार्य हैं
- इस प्रश्नपत्र में कुल चार खंड हैं- क, ख, ग, घ ।
- खंड-क में कुल 2 प्रश्न हैं, जिनमें उप-प्रश्नों की संख्या 10 है ।
- खंड-ख में कुल 4 प्रश्न हैं, जिनमें उप-प्रश्नों की संख्या 20 है।
  दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए 16 उप-प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- खंड-ग में कुल 5 प्रश्न हैं, जिनमें उप-प्रश्नों की संख्या 20 है।
- खंड-घ में कुल 4 प्रश्न हैं, सभी प्रश्नों के साथ उनके विकल्प भी दिए गए हैं ।
- प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए लिखिए।
- यथासंभव चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

| प्रश्न संख्या | **खंड-क**<br>**(अपठित बोध)** | अंक (14) |
|---|---|---|
| 1. | निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-<br>नालंदा विश्वविद्यालय भौगोलिक रूप से दक्षिण बिहार स्थित राजगीर के समीप है । इसके ध्वंसावशेष आज भी बड़ागाँव तक फैले हुए हैं। ऐसा माना जाता है कि नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना बौद्ध संन्यासियों द्वारा की गई थी, जिनका मूल उद्देश्य एक ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना करना था जो ध्यान व अध्यात्म के लिए उपयुक्त हो । ऐसा माना जाता है कि महात्मा बुद्ध ने नालंदा की कई बार यात्रा की थी। बहरहाल, इस विश्वविद्यालय का निर्माण कब हुआ था इसे लेकर विद्वानों में एक राय नहीं है। लेकिन ऐतिहासिक दस्तावेज़ों से जानकारी मिलती है कि इस विश्वप्रसिद्ध विश्वविद्यालय की स्थापना गुप्तवंशी शासक कुमारगुप्त ने की थी।<br><br>नालंदा विश्वविद्यालय के अधिकतर छात्र तिब्बतीय बौद्ध संस्कृतियों बज्रयान और महायान से संबद्ध थे। विश्वविद्यालय प्रशासन अनुशासन के प्रति जितना कठोर था, शिक्षा को लेकर उतना ही जागरूक, संवेदनशील और सतर्क था । यह इसी से समझा जा सकता है कि प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों को पहले द्वारपाल से वाद-विवाद करना पड़ता था और फिर उसमें उत्तीर्ण होने पर ही | |

<table>
<tr><td></td><td>उन्हें प्रवेश मिलता था। छात्रों को रहने के लिए छात्रावास की सुविधा उपलब्ध थी । इत्सिंग के लेखन के अनुसार यहाँ होने वाली चर्चाओं में सभी की भागीदारी आवश्यक थी । सभा में मौजूद सभी लोगों के फैसले पर संयुक्त रूप से आम सहमति की आवश्यकता होती थी । विश्वविद्यालय के संचालन के लिए राजाओं द्वारा विशेष अनुदान दिया जाता था लेकिन विश्वविद्यालय के संचालन में उनका किसी तरह का हस्तक्षेप नहीं था। आश्चर्य यह कि बौद्ध धर्म को न मानने वाले शासक भी इस विश्वविद्यालय को भरपूर अनुदान देते थे। यह शिक्षा के प्रति उनकी अनुरक्ति को ही रेखांकित करता है और शिक्षा के प्रति उनकी गहरी रुचि दिखाता है।</td><td></td></tr>
<tr><td>(क)</td><td>गद्यांश के अनुसार नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किसके द्वारा की गई थी?<br>i) बौद्ध संन्यासियों द्वारा<br>ii) महात्मा बुद्ध द्वारा<br>iii) गुप्तवंशी शासक कुमारगुप्त द्वारा<br>iv) तिब्बती बौद्धों द्वारा</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ख)</td><td>कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-<br>कथन(A): बौद्ध धर्म को मानने/ न मानने वाले शासक भी विश्वविद्यालय को भरपूर अनुदान देते थे।<br>कारण (R): उस समय के शासक धार्मिक संकीर्णताओं से ऊपर उठकर शिक्षा को महत्त्व देते थे।<br>i) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या है।<br>ii) कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।<br>iii) कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।<br>iv) कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(ग)</td><td>कॉलम 1 को कॉलम 2 के साथ सुमेलित कीजिए और सही विकल्प चुनकर लिखिए-
<table>
<tr><th>कॉलम A</th><th>कॉलम B</th></tr>
<tr><td>1 . महायान और बज्रयान</td><td>क) सभी की भागीदारी आवश्यक थी</td></tr>
<tr><td>2 . द्वारपाल के साथ वाद-विवाद</td><td>ख) स्थापना के उद्देश्य</td></tr>
<tr><td>3 . ध्यान व अध्यात्म</td><td>ग) बौद्ध धर्म की शाखाएँ</td></tr>
<tr><td>4 . इत्सिंग के लेखन में चर्चाएँ</td><td>घ) विश्वविद्यालय में प्रवेश की शर्त</td></tr>
</table>
i) 1-ख, 2-घ, 3-ग, 4-क<br>ii) 1-ग, 2-ख, 3-घ, 4-क<br>iii) 1-ख, 2-क, 3-ग, 4-घ<br>iv) 1-ग, 2-घ, 3-ख, 4-क</td><td>1</td></tr>
<tr><td>(घ)</td><td>नालंदा विश्वविद्यालय में द्वारपाल से वाद-विवाद की अनिवार्यता को आप शिक्षा में उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के संदर्भ में कैसे आँकते हैं? तर्क सहित उत्तर दीजिए।</td><td>2</td></tr>
<tr><td>(ड.)</td><td>गद्यांश के आधार पर बताइए कि तत्कालीन शासकों का शिक्षा के प्रति कैसा रवैया था?</td><td>2</td></tr>
</table>

| | | |
|---|---|---|
| 2. | निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-<br>सच है, विपत्ति जब आती है, कायर को ही दहलाती है,<br>सूरमा नहीं विचलित होते, क्षण एक नहीं धीरज खोते,<br>विघ्नों को गले लगाते हैं, काँटों में राह बनाते हैं।<br>मुख से न कभी उफ़ कहते हैं, संकट का चरण न गहते हैं,<br>जो आ पड़ता सब सहते हैं, उद्योग-निरत नित रहते हैं,<br>शूलों का मूल नसाने को, बढ़ खुद विपत्ति पर छाने को।<br><br>है कौन विघ्न ऐसा जग में, टिक सके वीर नर के मग में<br>ख़म ठोंक ठेलता है जब नर, पर्वत के जाते पाँव उखड़<br>मानव जब ज़ोर लगाता है, पत्थर पानी बन जाता है।<br>गुण बड़े एक से एक प्रखर, हैं छिपे मानवों के भीतर,<br>मेंहदी में जैसे लाली हो, वर्तिका-बीच उजियाली हो।<br>बत्ती जो नहीं जलाता है रोशनी नहीं वह पाता है।<br>- रामधारी सिंह दिनकर (रश्मिरथी तृतीय सर्ग भाग-१) | |
| (क) | काव्यांश का मूल भाव निम्नलिखित में से किस ओर इशारा करता है-<br>i. सूरमाओं के विचलित होने के कारण<br>ii. वीर मनुष्यों की विशेषता उजागर करना<br>iii. व्यवधानों का महिमा मंडन करना<br>iv. पत्थर से पानी बनाने की ओर | 1 |
| (ख) | काव्यांश में वीरों के संदर्भ में निम्नलिखित में से किसका उल्लेख नहीं हुआ है- उचित विकल्प का चयन कीजिए-<br>i. वे कायर सा घबराते हैं<br>ii. वे उद्योग में निरत रहते हैं<br>iii. वे विपत्ति पर छा जाते हैं<br>iv. वे विचलित हो जाते हैं<br>विकल्प-<br>i. कथन I और II सही हैं।<br>ii. केवल कथन II सही है I<br>iii. कथन I और IV सही हैं I<br>iv. कथन II और III सही हैं I | 1 |
| (ग) | कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-<br>कथन (A) : मानव जीवन के विकास के लिए विपत्तियाँ आवश्यक हैं, वे उसे आत्मनिर्भर और आत्मविश्वासी बनाती हैं। | 1 |

| | | |
|---|---|---|
| | कारण (R) : मानव की अंतर्निहित शक्ति तभी जागृत होती है जब वह विपत्तियों से संघर्ष करता है।<br>i. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या है।<br>ii. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है।<br>iii. कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।<br>iv. कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है। | |
| (घ) | 'बत्ती जो नहीं जलाता है रोशनी नहीं वह पाता है।'- इस पंक्ति द्वारा कवि किस गुण को अपनाने की प्रेरणा दे रहे हैं? | 2 |
| (ड.) | काव्यांश के अनुसार 'मेहंदी-लाली' और 'वर्तिका-उजयाली' जैसे प्रतीक किस प्रकार मानवीय संदर्भ से मेल खाते हैं ? स्पष्ट कीजिए | 2 |
| | **खंड- ख**<br>**(व्यावहारिक व्याकरण)** | 16 |
| 3. | निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य भेद' से संबंधित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : | 4x1=4 |
| क) | 'बाबूजी के रामायण का पाठ करते समय हम उनकी बगल में बैठे रहते। (वाक्य भेद लिखिए) | |
| ख) | बाल गोबिन भगत के आदेश पर ही पतोहु का पुनर्विवाह संभव हुआ। (मिश्रित वाक्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| ग) | लेखक ने सेकंड क्लास की टिकट ली क्योंकि उन्हें अपनी नई कहानी के विषय में सोचना था। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| घ) | पिताजी का आग्रह रहता था <u>कि मैं रसोई से दूर ही रहूँ</u>। -रेखांकित भाग में प्रयुक्त उपवाक्य भेद लिखिए। | |
| ड.) | क्रिया की विशेषता बताने वाले उपवाक्य क्या कहलाते हैं? | |
| 4. | निर्देशानुसार 'वाच्य' से संबंधित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए : | 4x1=4 |
| (क) | बच्चों द्वारा नेताजी की मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाया गया। (कर्तृवाच्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| (ख) | नवाब साहब ने चाकू से खीरे छीलने का कार्य किया। (कर्मवाच्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| (ग) | शिशु ख़ूब खिलखिलाया। (भाव वाच्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| (घ) | 'लखनवी अंदाज़' नामक रचना लेखक यशपाल द्वारा लिखी गई है। (कर्तृवाच्य में रूपांतरित कीजिए) | |
| (ड.) | भाव की प्रधानता वाले वाक्य में कौन-सा वाच्य होता है? | |
| 5. | निर्देशानुसार, 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के रेखांकित पदों का परिचय लिखिए : | 4x1=4 |
| (क) | लखनऊ की <u>नवाबी</u> नस्ल के एक सफ़ेदपोश सज्जन पालथी मारकर बैठे थे। | |
| (ख) | <u>धत्!</u> पगली ई भारत रत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। | |

| | | |
|---|---|---|
| (ग) | उसने हालदार साहब को <u>ध्यान</u> से देखा। | |
| (घ) | <u>वे</u> तो आग लगाकर चले गए और पिताजी सारा दिन भभकते रहे। | |
| (ड.) | एक संस्कृत <u>व्यक्ति</u> किसी नई चीज़ की खोज करता है। | |
| 6. | निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार रेखांकित पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार पहचान कर लिखिए : | 4x1=4 |
| (क) | <u>ज्यों जल माहँ तेल की गागरि</u>, बूँद न ताकौं लागी। | |
| (ख) | कोटि <u>कुलिस सम वचन</u> तुम्हारा। | |
| (ग) | अभी समय भी नहीं, <u>थकी सोयी है मेरी मौन व्यथा।</u> | |
| (घ) | तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान, <u>मृतक में भी डाल देगी जान।</u> | |
| (ड.) | <u>प्रीति-नदी</u> मैं पाऊँ न बोरयौ। | |
| | **खंड-ग**<br>**(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक)** | 30 |
| 7. | निम्नलिखित पठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए-<br>भौतिक प्रेरणा, ज्ञानेप्सा, क्या ये दो ही मानव संस्कृति के माता-पिता हैं? दूसरे के मुँह में कौर डालने के लिए जो अपने मुँह का कौर छोड़ देता है, उसको यह बात क्यों और कैसे सूझती है? रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए जो माता बैठी रहती है, वह आखिर ऐसा क्यों करती है? सुनते हैं कि रूस का भाग्यविधाता लेनिन अपनी डैस्क में रखे हुए डबल रोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिया करता था। वह आख़िर ऐसा क्यों करता था? संसार के मज़दूरों को सुखी देखने का स्वप्न देखते हुए कार्ल मार्क्स ने अपना सारा जीवन दुःख में बिता दिया और इन सब से बढ़कर आज नहीं, आज से ढाई हज़ार वर्ष पूर्व सिद्धार्थ ने अपना घर केवल इसलिए त्याग दिया कि किसी तरह तृष्णा के वशीभूत लड़ती - कटती मानवता सुख से रह सके। | 5x1=5 |
| (क) | लेखक के अनुसार, एक व्यक्ति दूसरे की पीड़ा व दुःख को समझ पाता है-<br>i) संवेदना के कारण<br>ii) ज्ञानेप्सा के कारण<br>iii) स्वार्थ के कारण<br>iv) भौतिक प्रेरणा के कारण | |
| (ख) | लेनिन ने अपनी डैस्क में रखे डबलरोटी के सूखे टुकड़े स्वयं न खाकर दूसरों को खिला दिए क्योंकि-<br>i) वह भौतिक प्रेरणा से प्रेरित थे<br>ii) वह दूसरों के सुख को प्राथमिकता देते थे<br>iii) उनके पास अन्य भोजन था<br>iv) वह अपनी भूख को नियंत्रित कर सकते थे | |
| (ग) | लेखक ने कार्ल मार्क्स के जीवन को किस तरह से चित्रित किया है?<br>i) एक साधारण और सुखी जीवन<br>ii) एक जीवन जो दुःख में बिताया गया | |

| | | |
|---|---|---|
| | iii) संघर्ष और क्रांति का जीवन<br>iv) ज्ञानेप्सा से प्रेरित जीवन | |
| (घ) | सिद्धार्थ ने अपना घर क्यों त्याग दिया, जैसा कि लेखक ने बताया है-<br>i) तृष्णा के वशीभूत मानवता को सुखी देखने के लिए<br>ii) भौतिक प्रेरणा की खोज में<br>iii) अपना ज्ञान बढ़ाने के लिए<br>iv) अपने जीवन में शांति प्राप्त करने के लिए | |
| (ड.) | लेखक के अनुसार, माँ अपने रोगी बच्चे को सारी रात गोद में लिए क्यों बैठी रहती है?<br>i) ज्ञानेप्सा के कारण<br>ii) करुणा और प्रेम के कारण<br>iii) भौतिक प्रेरणा के कारण<br>iv) सामाजिक दबाव के कारण | |
| 8. | निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए : | 3x2=6 |
| (क) | 'आधुनिकता बाहरी रूप नहीं, आंतरिक विचारों का विषय है'- बाल गोबिन भगत के पात्र को ध्यान में रखकर इस कथन की समीक्षा कीजिए। | |
| (ख) | नवाब साहब के दिखावे की सनक के आधार पर बताइए किन परिस्थितियों में सनक सकारात्मक व नकारात्मक परिणाम दे सकती है? | |
| (ग) | पाठ 'एक कहानी यह भी' की महिला पात्रों के संघर्ष और जीवन-यात्रा के कौन से पहलू आपको महिला सशक्तिकरण की दिशा में प्रेरित करते हैं? | |
| (घ) | 'बिस्मिलाह ख़ाँ कला व मानवीय सरोकारों के वास्तविक उपासक थे।'-पाठ 'नौबतखाने में इबादत' के आधार पर स्पष्ट कीजिए। | |
| 9. | निम्नलिखित पठित पद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए-<br>बिहसि लखनु बोले मृदु बानी । अहो मुनीसु महाभट मानी ।।<br>पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु । चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।<br>इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं । जे तरजनी देखि मरि जाहीं ।।<br>देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।<br>भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी । जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी ।।<br>सुर महिसुर हरिजन अरु गाई । हमरे कुल इन्ह पर न सुराई ।।<br>बधें पापु अपकीरति हारें । मारतहू पा परिअ तुम्हारें ।।<br>कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा । ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।<br>जो बिलोकि अनुचित कहेउँ छमहु महामुनि धीर ।<br>सुनि सरोष भृगुबंसमनि बोले गिरा गंभीर।। | 5x1=5 |

| | | |
|---|---|---|
| (क) | 'इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं'-पंक्ति से आशय है—<br>i. यहाँ मूर्खों की तरह बातें करने वाला कोई नहीं है।<br>ii. यहाँ कोई भी कुम्हड़े की बतिया के समान ( निर्बल) नहीं है\|<br>iii. यहाँ कोई भी कुम्हार के घड़े के समान कोमल नहीं है \|<br>iv. यहाँ कोई भी मेरे जैसा शूरवीर नहीं है \| | |
| (ख) | लक्ष्मण द्वारा प्रत्युत्तर में प्रयोग की गई भाषा में शामिल था-<br>i) संकोच<br>ii) व्यंग्य<br>iii) आलोचना<br>iv) अनुमोदन<br>विकल्प-<br>i. केवल I और IV सही हैं।<br>ii. केवल कथन I सही है I<br>iii. केवल III और IV सही हैं I<br>iv. केवल II और III सही हैं I | |
| (ग) | कथन (A) और कारण (R) को पढ़कर उपयुक्त विकल्प का चयन कीजिए-<br>कथन (A) : परशुराम और लक्ष्मण का संवाद शक्ति और आत्सम्मान के बीच द्वंद्व को दर्शाता है।<br>कारण (R) : शक्ति का अहंकार और आत्मसम्मान रक्षा में परिहास भावना ही इसका प्रमुख कारण रहा।<br>i. कथन (A) सही है, लेकिन कारण (R) ग़लत है।<br>ii. कथन (A) ग़लत है, लेकिन कारण (R) सही है।<br>iii. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या है।<br>iv. कथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, कारण(R), कथन (A) की सही व्याख्या नहीं है। | |
| (घ) | लक्ष्मण ने परशुराम को अपने कुल की किस परंपरा का बोध कराया?<br>i. शत्रु को हराकर युद्ध में विजय पाने की परंपरा<br>ii. देवताओं व ब्राह्मणों पर प्रहार न करने की परंपरा<br>iii. क्रोध में आकर शत्रु को मारने की परंपरा<br>iv. किसी भी अपमान का बदला लेने की परंपरा | |
| (ड.) | 'क्रोध की अपेक्षा विनम्रता अधिक प्रभावी होती है', क्योंकि–<br>i. विनम्रता शांति और समझ का प्रतीक, जबकि क्रोध से विनाश निश्चित<br>ii. क्रोध व्यक्ति को अधिक शक्तिशाली बनाता है और विनम्रता कम<br>iii. केवल क्रोध से ही वीरों को प्रत्येक युद्ध में विजय प्राप्त होती है | |

| | | |
|---|---|---|
| | iv. विनम्रता और क्रोध दोनों ही समान रूप से प्रभावी होते हैं | |
| 10. | निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए । | 3x2=6 |
| (क) | सूर के पदों में वर्णित गोपियों के वाकचातुर्य की किन विशेषताओं ने आपको प्रभावित किया? | |
| (ख) | स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है । क्या आप कभी किसी स्मृति को पाथेय बनाकर आगे बढ़े हैं? उदाहरण सहित लिखिए | |
| (ग) | कवि 'सूर्यकांत त्रिपाठी निराला' बादल के गर्जन में नवचेतना व सृजनात्मक उत्साह का स्वर सुनते हैं–उचित तर्कों द्वारा कथन की पुष्टि कीजिए। | |
| (घ) | दंतुरित मुस्कान का क्या अर्थ हैं? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा? | |
| 11. | पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए : | 2x4=8 |
| (क) | आधुनिक जीवन शैली में हम भोलानाथ के समान प्रकृति का आनंद क्यों नहीं उठा पा रहे हैं? वर्तमान में आप किन उपायों द्वारा प्राकृतिक आनंद प्राप्त कर सकते हैं? | |
| (ख) | 'कटाओ' पर किसी भी दुकान का न होना उसके लिए वरदान है'- पाठ के आधार पर इस कथन के संदर्भ में अपनी राय व्यक्त कीजिए । | |
| (ग) | 'हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग हैं।' क्यों? आपकी दृष्टि में विज्ञान का सदुपयोग कहाँ-कहाँ किस तरह से हो रहा है? | |
| | **खंड-घ**<br>**(रचनात्मक लेखन)** | 20 |
| 12. | निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर संकेत बिन्दुओं के आधार पर 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए-<br>क) **कृत्रिम बुद्धिमत्ता - वरदान या अभिशाप**<br>संकेत बिंदु-<br>• सुविधाजनक जीवन<br>• नौकरी संकट<br>• नैतिक चिंताएँ<br>ख) **खेलों में बढती भारतीय महिलाओं की भागीदारी**<br>संकेत बिंदु-<br>• अंतरराष्ट्रीय सफलता<br>• सरकारी प्रोत्साहन<br>• सामाजिक बदलाव<br>ग) **राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान**<br>संकेत बिंदु-<br>• नवाचार और उद्यमिता | 1x6=6 |

| | | |
|---|---|---|
| | • सामाजिक जागरूकता<br>• नेतृत्व क्षमता व उदाहरण | |
| 13. | क) आप राजन/ रंजीता हैं । आपके क्षेत्र में बढ़ते जलभराव की समस्या बढ़ गई है, जिससे आए दिन दुर्घटनाएँ हो रही हैं । इस ओर ध्यान आकर्षित कराते हुए 'प्रभात ख़बर' के संपादक को पत्र लिखिए ।<br>अथवा<br>ख) आप राजन/ रंजीता हैं । आपके विद्यालय ने क्षेत्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया है । छात्रावास में रह रहे अपने बड़े भाई को इस प्रतियोगिता की संपूर्ण जानकारी देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए । | 1x5=5 |
| 14. | क) आप आर्य/आर्या हैं, आपने बी.एड, की डिग्री प्राप्त करने के बाद शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है । दैनिक समाचार पत्र के विज्ञापन द्वारा आपको ज्ञात हुआ कि आपके क्षेत्र के एक प्रतिष्ठित विद्यालय में हिंदी शिक्षक का पद रिक्त है । आप उक्त पद की योग्यता रखते हैं । इस पद हेतु विद्यालय प्रमुख को आवेदन भेजने के लिए लगभग 80 शब्दों में अपना एक स्ववृत तैयार कीजिए ।<br>अथवा<br>ख) आप आर्य/आर्या हैं। आपकी चेकबुक और डेबिट कार्ड डाक द्वारा आपके निवास स्थान पर शीघ्र भिजवाने का अनुरोध करते हुए अपने बैंक शाखा प्रबंधक को ई -मेल लिखिए । | 1x5=5 |
| 15. | स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने हेतु दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित 'स्वच्छता पखवाड़े' के विषय पर आधारित एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए।<br>अथवा<br>संघ लोक सेवा आयोग की प्रशासनिक परीक्षा में उत्तीर्ण हुई अपनी चचेरी बहन को बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में संदेश लिखिए। | 1x4=4 |